चिड़ियाघर में पहला बायोबैंक

स्रोत: IE

पद्मजा नायडू हिमालयन ज़ूलॉजिकल पार्क (दार्जिलिंग चिड़ियाघर) में स्थित भारत का **पहला वन्यजीव बायोबैंक** वर्तमान में पूर्ण से क्रियाशील है।

- **जुलाई 2024** में इसकी स्थापना की गई और तभी से यहाँ संकटापन्न प्रजातियों को प्राथमिकता देते हुए **23 प्रजातियों के 60 जंतुओं** से DNA और ऊतक के नमूने एकत्र किये गए हैं।
- **बायोबैंक:** बायोबैंक **(फ्रोज़न चिड़ियाघर)** में **संरक्षण और अनुसंधान हेतु जंतुओं के आनुवंशिक तत्त्वों** को संरक्षित किया जाता है।
  - इसमें संकटापन्न एवं मृत जंतुओं की कोशिकाएँ, ऊतक और जननात्मक नमूने शामिल हैं।
  - आनुवंशिक विविधता बनाए रखने के लिये नमूनों को **क्रायोजेनिक परिस्थितियों (तरल नाइट्रोजन में -196°C)** में संग्रहित किया जाता है।
  - यह **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय** के अंतर्गत **कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (CCMB)** के सहयोग से **राष्ट्रीय संरक्षण योजना** का हिस्सा है।
  - **भविष्य में, दिल्ली राष्ट्रीय चिड़ियाघर और नंदनकानन चिड़ियाघर (ओडिशा)** में बायोबैंक स्थापित करने की योजना है।
  - **अमेरिकन ब्लैक-फुटेड फेरेट** और **उत्तरीय एक-सींग वाले गैंडे (Northern One-horned Rhino)** जैसी प्रजातियों को **बंदी प्रजनन और संरक्षित DNA का** उपयोग करके पुनर्जीवित किया गया है।
- **दार्जिलिंग चिड़ियाघर:**
  - यह **भारत का सबसे बड़ा उच्च ऊँचाई वाला चिड़ियाघर** है, जो हिम तेंदुए, हिमालयी भेड़ियों और लाल पांडा जैसी **अल्पाइन प्रजातियों** के बंदी प्रजनन में विशेषज्ञता रखता है।
  - इसमें लुप्तप्राय जीव-जंतु रहते हैं, जिनमें **गोरल, साइबेरियाई बाघ और दुर्लभ** पक्षी शामिल हैं।

और पढ़ें: हिम तेंदुओं के लिये संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/first-biobank-in-a-zoo